



Subject -

Social Pharmacy

Topic -

DAILY ACTIVITIES OF CLINICAL PHARMACISTS

D.Pharm 1st Year



Clinical Pharmacist

(क्लिनिकल फार्मासिस्ट)

Introduction / परिचय

- A clinical pharmacist is a pharmacist who works directly with doctors, nurses, patients and other healthcare professionals to ensure the **safe, effective and rational use of medicines**.
- Clinical pharmacists mainly focus on **improving the outcome of drug therapy** and **preventing medicine-related problems**.
- क्लिनिकल फार्मासिस्ट वह फार्मासिस्ट होता है जो डॉक्टर, नर्स, रोगी तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मिलकर दवाओं के सुरक्षित, प्रभावी एवं तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करता है।
- क्लिनिकल फार्मासिस्ट का मुख्य उद्देश्य औषधि उपचार के परिणामों को बेहतर बनाना तथा दवाओं से संबंधित समस्याओं को रोकना होता है।



Daily Activities / दैनिक गतिविधियाँ

The daily activities of a clinical pharmacist involve **continuous assessment** of the patient's medicines, **identification** of drug-related problems, **counselling**, **providing drug information** and **coordination** with the healthcare team.

क्लिनिकल फार्मासिस्ट की दैनिक गतिविधियों में रोगी की दवाओं का लगातार मूल्यांकन, औषधि-संबंधी समस्याओं की पहचान, रोगी परामर्श, औषधि संबंधी जानकारी प्रदान करना तथा स्वास्थ्य सेवा टीम के साथ **समन्वय** करना शामिल होता है।

1 Ward Round Participation (वार्ड राउंड में भागीदारी)

Definition / परिभाषा

Ward round participation refers to the participation of the clinical pharmacist with doctors, nurses and other healthcare professionals during the **routine examination and discussion** of hospitalized patients.

वार्ड राउंड में भागीदारी से तात्पर्य अस्पताल में भर्ती रोगियों की नियमित जाँच और उपचार संबंधी चर्चा के दौरान डॉक्टर, नर्स तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ क्लिनिकल फार्मासिस्ट की सहभागिता से है।

Goal / उद्देश्य



The main goal of ward round participation is to ensure that each patient receives the **most appropriate, safe and effective drug therapy**.

वार्ड राउंड में भागीदारी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रोगी को **सबसे उपयुक्त, सुरक्षित और प्रभावी औषधि उपचार** प्राप्त हो।

Procedure and Activities / प्रक्रिया एवं गतिविधियाँ

During ward rounds, the clinical pharmacist:

- Reviews the medicines prescribed to the patient.
- Checks whether the drug is **appropriate** for the patient's disease or condition.
- Checks the dose, dosage form, frequency and **route of administration**.
- Identifies possible **drug interactions**, **contraindications** and **duplicate therapy**.
- Reviews laboratory investigations and clinical findings relevant to drug therapy.
- Suggests suitable **modifications** in drug therapy when necessary.
- Answers medicine-related questions raised by doctors, nurses or patients.

Treatment Chart Review

(ट्रीटमेंट चार्ट की समीक्षा)

1. Definition / परिभाषा

Treatment chart review is the systematic examination of a patient's medication chart or prescription by a clinical pharmacist to identify and prevent drug-related problems.

Treatment chart review रोगी के medication chart या prescription की क्लिनिकल फार्मासिस्ट द्वारा व्यवस्थित जाँच है, जिससे दवाओं से संबंधित समस्याओं की पहचान और रोकथाम की जा सके।

2. Goal / उद्देश्य

Its main goal is to ensure that prescribed medicines are **correct, appropriate, safe and effective** for the patient.

इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित दवाएँ रोगी के लिए **सही, उपयुक्त, सुरक्षित और प्रभावी** हों।



3. Points Checked During Treatment Chart Review / ट्रीटमेंट चार्ट की समीक्षा में जाँचे जाने वाले बिंदु

The pharmacist reviews:

फार्मासिस्ट निम्न बिंदुओं की समीक्षा करता है:

- | | |
|--|---|
| ✓ Name of the medicine
दवा का नाम | ✓ Drug allergy
दवा से होने वाली एलर्जी |
| ✓ Dose of the medicine
दवा की मात्रा | ✓ Drug-drug interactions
दो दवाओं के बीच interaction |
| ✓ Dosage form
डोजेज फॉर्म | ✓ Drug-food interactions
दवा और भोजन के बीच interaction |
| ✓ Route of administration
दवा देने का मार्ग | ✓ Contraindications
Contraindications |
| ✓ Frequency of administration
दवा देने की आवृत्ति | ✓ Duplicate therapy
समान प्रभाव वाली दवाओं का अनावश्यक दोहराव |
| ✓ Duration of treatment
उपचार की अवधि | ✓ Dose adjustment in renal or hepatic impairment
Kidney या liver dysfunction में dose adjustment |
| ✓ Therapeutic indication
दवा दिए जाने का चिकित्सीय कारण | ✓ Laboratory test results related to therapy
औषधि उपचार से संबंधित laboratory test results |

4. Corrective Action / सुधारात्मक कार्यवाही

If a problem is identified, the pharmacist discusses it with the prescriber and recommends **appropriate corrective action**.

यदि किसी समस्या की पहचान होती है, तो फार्मासिस्ट डॉक्टर के साथ चर्चा करता है और **उचित सुधारात्मक उपाय** का सुझाव देता है।



Adverse Drug Reaction Monitoring & Drug Information and Poisons Information

(प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया की निगरानी एवं औषधि व विष संबंधी जानकारी)

1. Adverse Drug Reaction Monitoring / प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया की निगरानी

Definition / परिभाषा

An Adverse Drug Reaction (ADR) is an unwanted or harmful response that occurs after the use of a medicine at normally used doses.

Adverse Drug Reaction (ADR) दवा की सामान्य चिकित्सीय मात्रा के उपयोग के बाद होने वाली अवांछित या हानिकारक प्रतिक्रिया है।



Goal / उद्देश्य

The goal of ADR monitoring is to identify, assess, manage and prevent harmful effects associated with medicines.

ADR monitoring का उद्देश्य दवाओं से संबंधित हानिकारक प्रभावों की पहचान, मूल्यांकन, प्रबंधन तथा रोकथाम करना है।



2. Role of Clinical Pharmacist / क्लिनिकल फार्मासिस्ट की भूमिका

The clinical pharmacist: | क्लिनिकल फार्मासिस्ट:

- Observes patients for suspected adverse reactions. रोगियों में संभावित adverse reactions का निरीक्षण करता है।
- Collects information about the suspected drug and reaction. संदिग्ध दवा तथा प्रतिक्रिया से संबंधित जानकारी एकत्र करता है।
- Checks when the medicine was started and when the reaction developed. यह जाँचता है कि दवा कब शुरू की गई और reaction कब उत्पन्न हुआ।
- Reviews other medicines being used by the patient. रोगी द्वारा ली जा रही अन्य दवाओं की समीक्षा करता है।

- Assists in determining whether the reaction may be related to the suspected medicine. यह निर्धारित करने में सहायता करता है कि reaction संदिग्ध दवा से संबंधित है या नहीं।
- Informs the treating physician when necessary. आवश्यकता होने पर उपचार करने वाले डॉक्टर को जानकारी देता है।
- Helps in documenting and reporting ADRs. ADR की documentation तथा reporting में सहायता करता है।
- Educates patients to avoid re-exposure to medicines responsible for serious reactions. गंभीर reaction करने वाली दवा के दोबारा उपयोग से बचने के लिए रोगी को शिक्षित करता है।



ADR monitoring contributes significantly to patient safety and pharmacovigilance. ADR monitoring रोगी सुरक्षा तथा pharmacovigilance में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

3. Drug Information and Poisons Information / औषधि एवं विष संबंधी जानकारी

Definition / परिभाषा

Drug information service refers to the provision of accurate, unbiased and relevant information about medicines to healthcare professionals and patients.

Drug information service से तात्पर्य स्वास्थ्यकर्मियों और रोगियों को दवाओं के बारे में सही, निष्पक्ष और उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना है।

Poison information includes information regarding toxic substances, symptoms of poisoning, emergency management and available antidotes.

Poison information में विषैले पदार्थों, poisoning के लक्षणों, emergency management तथा उपलब्ध antidotes के बारे में जानकारी शामिल होती है।



4. Information Commonly Provided / सामान्यतः दी जाने वाली जानकारी

A clinical pharmacist may provide information regarding: क्लिनिकल फार्मासिस्ट निम्न विषयों पर जानकारी दे सकता है:

- Drug dose and dosage
Drug dose एवं dosage
- Indications and uses
दवा के उपयोग एवं indication
- Adverse effects
प्रतिकूल प्रभाव
- Contraindications
Contraindications
- Drug interactions
Drug interactions
- Storage conditions
भंडारण की परिस्थितियाँ
- Drug administration
दवा देने की विधि
- Availability of medicines
दवा की उपलब्धता
- Use during pregnancy and lactation
Pregnancy एवं lactation के दौरान दवा का उपयोग
- Management of poisoning
Poisoning का management
- Antidotes used in poisoning
Poisoning में उपयोग किए जाने वाले antidotes



5. Reliable Sources / विश्वसनीय स्रोत

The pharmacist should provide information after consulting reliable and appropriate sources of drug information.

फार्मासिस्ट को विश्वसनीय एवं उपयुक्त drug information sources का उपयोग करके जानकारी प्रदान करनी चाहिए।



Medication History

(मेडिकेशन हिस्ट्री)

1. Definition / परिभाषा

- Medication history is a complete and accurate record of **all medicines** that a patient is currently taking or has taken recently.
- Medication history रोगी द्वारा वर्तमान में ली जा रही या हाल ही में ली गई **सभी दवाओं का पूर्ण और सही रिकॉर्ड** है।



2. Goal / उद्देश्य

- The goal is to obtain accurate information about previous and current medicine use so that **medication errors and drug-related problems** can be prevented.
- इसका उद्देश्य रोगी द्वारा पहले तथा वर्तमान में उपयोग की जा रही दवाओं की सही जानकारी प्राप्त करना है, ताकि **medication errors** तथा **drug-related problems** को रोका जा सके।



Prevent
Medication
Errors

4. Importance / महत्व

- Helps in accurate medicine review.
- Prevents **omissions, duplication and interactions**.
- Reduces medication errors.
- Helps in identifying drug-related problems.
- Ensures safe and appropriate therapy for the patient.
- दवाओं की सही समीक्षा में सहायता करता है।
- दवा छूटने, समान दवाओं के अनावश्यक दोहराव तथा **interactions** को रोकता है।
- मेडिकेशन **errors** को कम करता है।
- दवा संबंधी समस्याओं की पहचान में मदद करता है।
- रोगी के लिए सुरक्षित और उपयुक्त उपचार सुनिश्चित करता है।

3. Information Collected / एकत्र की जाने वाली जानकारी

The clinical pharmacist asks about:
क्लिनिकल फार्मासिस्ट निम्न जानकारी प्राप्त करता है:

- Prescription medicines** (डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवाएँ)
- Over-the-counter medicines** (बिना prescription के ली जाने वाली दवाएँ)
- Herbal or traditional medicines** (Herbal या traditional medicines)
- Vitamins and nutritional supplements** (Vitamins एवं nutritional supplements)
- Previous medicines** (पहले ली गई दवाएँ)
- Drug allergies** (Drug allergies)
- Previous adverse drug reactions** (पहले हुई adverse drug reactions)
- Dose and frequency of medicines** (दवाओं की dose तथा frequency)
- Duration of medicine use** (दवा उपयोग की अवधि)
- Patient's medication-taking behaviour** (रोगी द्वारा दवाओं को लेने का तरीका)



A proper medication history helps prevent **omissions, duplication, interactions and inappropriate treatment**.

सही medication history दवा छूटने, duplicate therapy, interactions तथा अनुचित उपचार को रोकने में सहायता करती है।

Patient Counselling & Interprofessional Collaboration

(रोगी परामर्श एवं अंतर-व्यावसायिक सहयोग)

1. Patient Counselling / रोगी परामर्श

Definition / परिभाषा

Patient counselling is the process of providing necessary information and guidance to patients regarding their medicines, disease and correct medication use.

Patient counselling वह प्रक्रिया है जिसमें रोगी को उसकी दवाओं, बीमारी तथा दवाओं के सही उपयोग के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।



2. Goal / उद्देश्य

The goal of patient counselling is to improve the patient's understanding of therapy and encourage the safe and proper use of medicines.

रोगी परामर्श का उद्देश्य रोगी को उपचार के बारे में बेहतर समझ प्रदान करना तथा दवाओं के सुरक्षित और सही उपयोग को बढ़ावा देना है।



Safe & Proper Use of Medicines



3. Information Given During Counselling / काउंसलिंग के दौरान दी जाने वाली जानकारी

The clinical pharmacist explains:

क्लिनिकल फार्मासिस्ट समझाता है:

- Name and purpose of the medicine / दवा का नाम एवं उसका उद्देश्य
- Correct dose / सही dose
- Time and frequency of administration / दवा लेने का समय एवं आवृत्ति
- Route and method of administration / दवा लेने या देने का तरीका
- Duration of therapy / उपचार की अवधि
- Whether the medicine should be taken before or after food / दवा भोजन से पहले या बाद में लेनी है
- Common side effects / सामान्य side effects
- Precautions to be followed / आवश्यक सावधानियाँ
- Important food or drug interactions / महत्वपूर्ण food या drug interactions
- Proper storage of medicine / दवा का सही भंडारण
- What to do if a dose is missed / Dose छूट जाने पर क्या करना चाहिए
- Importance of completing the prescribed therapy / निर्धारित उपचार को पूरा करने का महत्व

4. Importance / महत्व

Patient counselling improves medication adherence and helps the patient participate actively in his or her treatment.

Patient counselling से medication adherence बेहतर होती है तथा रोगी अपने उपचार में सक्रिय रूप से भाग ले पाता है।



5. Interprofessional Collaboration / अंतर-व्यावसायिक सहयोग

Definition / परिभाषा

Interprofessional collaboration means cooperation between pharmacists, doctors, nurses and other healthcare professionals for providing coordinated and effective patient care.

Interprofessional collaboration का अर्थ रोगी को समन्वित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए फार्मासिस्ट, डॉक्टर, नर्स तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के बीच सहयोग है।



6. Role of Clinical Pharmacist / क्लिनिकल फार्मासिस्ट की भूमिका

The clinical pharmacist works with the healthcare team to:

क्लिनिकल फार्मासिस्ट healthcare team के साथ मिलकर:

- Select appropriate medicines. / उपयुक्त दवा के चयन में सहायता करता है।
- Identify medication-related problems. / दवा-संबंधी समस्याओं की पहचान करता है।
- Suggest suitable dosage modifications. / आवश्यक dose modification का सुझाव देता है।
- Prevent drug interactions and medication errors. / Drug interactions तथा medication errors को रोकने में सहायता करता है।
- Provide information regarding medicines. / दवाओं से संबंधित जानकारी देता है।
- Monitor patient response to treatment. / उपचार के प्रति रोगी की प्रतिक्रिया की निगरानी करता है।
- Improve continuity and quality of patient care. / रोगी की देखभाल की निरंतरता और गुणवत्ता में सुधार करता है।



Good communication among healthcare professionals improves the safety and effectiveness of treatment.

स्वास्थ्यकर्मियों के बीच अच्छा communication उपचार की सुरक्षा और प्रभावशीलता को बेहतर बनाता है।

Importance of Daily Activities of Clinical Pharmacists

क्लिनिकल फार्मासिस्ट की दैनिक गतिविधियों का महत्व

The daily activities of clinical pharmacists are important because they:
क्लिनिकल फार्मासिस्ट की दैनिक गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये:

1 Promote rational use of medicines.

दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देती हैं।



2 Reduce medication errors.

Medication errors को कम करती हैं।



3 Prevent and identify adverse drug reactions.

Adverse drug reactions की पहचान एवं रोकथाम में सहायता करती हैं।



4 Improve therapeutic outcomes.

उपचार के परिणामों को बेहतर बनाती हैं।



5 Improve patient adherence to treatment.

रोगी की treatment adherence को बढ़ाती हैं।



6 Provide reliable drug information.

विश्वसनीय drug information उपलब्ध कराती हैं।



7 Improve communication among healthcare professionals.

स्वास्थ्यकर्मियों के बीच communication बेहतर बनाती हैं।



8 Increase patient safety.

रोगी की सुरक्षा बढ़ाती हैं।



9 Improve the overall quality of pharmaceutical care.

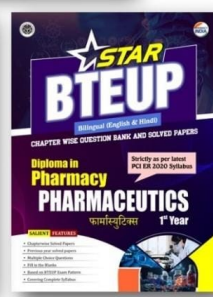
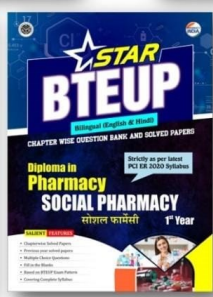
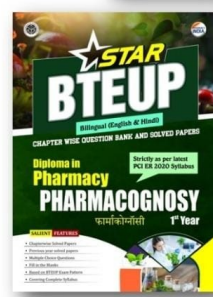
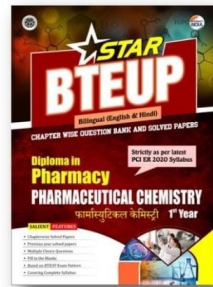
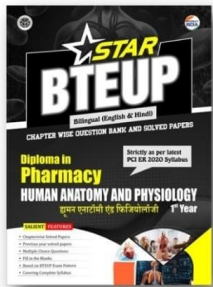
Pharmaceutical care की समग्र गुणवत्ता में सुधार करती हैं।





D.Pharm 1st Year

COD AVAILABLE ON



 **Contact for Sample Pdf**
6395596959, 8533943141

 **Contact for any Query - 6395596959**



PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in



PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in



PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in



Join YouTube Channel



Pharmacy India Live

For Pharmacist Exam Preparations

SUBSCRIBE



Join WhatsApp & Telegram Channel



WhatsApp



Telegram

PHARMACY INDIA

www.pharmacyindia.co.in



Join Pharmacy India app



PHARMACY INDIA